

CCT Weekly Practice

Created by: Ms. Kiran Gupta &
Ms. Mamta Rajneesh

कल, कल, कल

बहती हुई नदी
कल कल कल
बहती थी नदी
कल?कल??कल???

1. कविता में प्रश्न चिन्हों का प्रयोग कर कवि क्या अभिव्यक्त करना चाहता है?

- (i) पाठक के समक्ष प्रश्न खड़ा करना चाहता है।
- (ii) नदी के अस्तित्व के प्रति चिंता व्यक्त करना चाहता है।
- (iii) नदी का सौंदर्य व्यक्त करना चाहता है।
- (iv) आज और कल के अंतर को दर्शाना चाहता है।

- क. (i) एवं (iii)
- ख. (ii) एवं (iv)
- ग. (i) एवं (iv)
- घ. (ii) एवं (iii)

2. इस कविता में 'कल' शब्द का अर्थ है –

- क. यंत्र
- ख. चैन
- ग. समय-सूचक
- घ. सिक्का

3. आप भी कवि की तरह कम से कम शब्दों में प्रकृति के प्रति एक सन्देश अपने शब्दों में लिखिए-

.....
.....



**बस एक ही उल्लू काफी है
बर्बाद गुलिस्ता करने को**

**हर साख पे उल्लू बैठा हो!
अन्जामे गुलिस्ता
क्या होगा...**

- नदियों, तालाबों, झरनों में बढ़ता प्रदूषण।
- वृक्षों, वनों की अंधाधुंध कटाई।
- पॉलिथीन, प्लास्टिक का बढ़ता प्रयोग।
- मोटर-वाहन, कल-कारखानों का जहरीला धुआँ।
- पृथ्वी के वायुमंडल का तापमान लगातार बढ़ता जाना।
- मौसम में बदलाव, कहीं सूखा, कहीं बाढ़, कहीं तूफान।

**सदियों में धरा बनी है ये,
सदियों में जीवन आया है।
खतरे में डाल दिया हमने,
कैसा विकास ये लाया है।**

निवसिड "बचपन"
226 रोहित नगर, फेस-1, बालदिया काला, मेरठ (य.प्र.) फोन: 0755-2461161

BACHPAN
Give us our rights
Give us our world

4. विज्ञापन में गुलिस्ताँ का क्या तात्पर्य है?

- क. जंगल से
- ख. बगीचे से
- ग. पृथ्वी से
- घ. देश से

5. उपर्युक्त विज्ञापन के अनुसार किन चीजों से हम अपने गुलिस्ताँ को बर्बाद कर रहे हैं?

- (i) वृक्षों की कटाई से
- (ii) ए.सी के प्रयोग से
- (iii) कारखानों के धुएँ से
- (iv) नदियों के प्रदूषण से

- क. (i), (ii) एवं (iii)
- ख. (ii), (iii) एवं (iv)
- ग. (i), (ii) एवं (iv)
- घ. (ii), (iii) एवं (i)

CCT Weekly Practice

अंक योजना

उत्तर 1: ख

उत्तर 2: ग

उत्तर 3: विद्यार्थियों की समझ पर !

उत्तर 4: ग

उत्तर 5: क